प्रारंभिक संबोधन

माननीय सदस्यगण, अष्टादश बिहार विधान सभा के इस बजट सत्र में आप सबों का स्वागत है ।

वर्तमान सत्र में कुल 19 बैठकें निर्धारित है । इसमें सभी विभागों का बजट सदन द्वारा पारित किया जाना है । इसके अलावा वर्ष का प्रथम सत्र होने के कारण इसमें माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण भी होगा ।

बजट सत्र केवल एक औपचारिक संसदीय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जनता की आशाओं, राज्य की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा तय करने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है । यह वह समय होता है जब हम अपने विचारों, नीतियों और संकल्पों को जनहित की ठोस योजनाओं में रूपांतरित करते हैं । बिहार की जनता ने हम पर जो भरोसा जताया है, वह केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है । यह भरोसा सुशासन, विकास, सामाजिक न्याय और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है । इस सत्र में होने वाली चर्चा राज्य की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को नई दिशा देने वाली है ।

मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूँ कि इस सत्र को हम सकारात्मक, रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बनाएँ । यह सदन संवाद, मर्यादा और पारस्परिक सम्मान का मंच बना रहे, यही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए क्योंकि सदन की गरिमा केवल नियमों से नहीं, बल्कि हमारे आचरण, भाषा और दृष्टिकोण से भी तय होती है । यह सब लोकतांत्रिक मर्यादा की सीमा में रहकर होनी चाहिए । हम सबको मिलकर बेहतर बिहार बनाना है ।

अंत में, मैं आशा करता हूँ कि यह सत्र सौहार्द, अनुशासन और रचनात्मक ऊर्जा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न होगा । आप सभी के सहयोग से सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से आगे बढ़ेगा । इसी विश्वास के साथ मैं इस बजट सत्र के सफल संचालन की कामना करता हूँ ।